भारत से लगी पूरी सीमा पर चीन बढ़ा रहा सैनिकों की तैनाती

जानकारी

अमेरिकी विदेश मंत्री ने चीनी सेना पर दी बड़ी जानकारी

■चीन का अधिकारवादी नेतृत्व इस तरह के कदम उठाता रहता हैः माइक पोम्पिओ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
वॉशिंगटन। लद्दाख में भारत और चीन के बीच चल रहे सैन्य गतिरोध के बीच अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने ड्रैगन की सेना के मूवमेंट के बारे में अहम जानकारी दी है। पोम्पिओ ने कहा है कि चीन ने भारत के साथ लगी अपनी वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैनिकों की तादाद बढ़ा रहा है। पोम्पिओ ने कहा कि चीन का अधिकारवादी नेतृत्व इस तरह के कदम उठाता रहता है। उन्होंने आरोप लगाया है कि चीन जमीनी स्तर पर अपनी 'रणनीतिक स्थिति' का अपने लाभ के लिए इस्तेमाल कर रहा है और दूसरों के लिए खतरा पैदा कर रहा है।

अमेरिकी विदेश मंत्री ने शो के दौरान कहा, हम आज भी देख रहे हैं कि चीन की ओर से बड़ी संख्या में सैनिक उत्तर भारत में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तैनात किए गए हैं। चीन की कम्यूनिस्ट पार्टी लगातार कोरोना वायरस को लेकर सूचनाएं छिपा रही है। चीन ने हांग कांग के लोगों की स्वतंत्रता को नष्ट करने के लिए कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा, ये केवल चीन के सत्ताधारी कम्यूनिस्ट पार्टी के व्यवहार के दो उदाहरण हैं।

लाभ उठाने की कोशिश कर रहा है चीनः अमेरिकी विदेश मंत्री पोम्पिओ ने आरोप लगाया कि चीन जमीनी स्तर पर अपनी 'रणनीतिक स्थिति' का अपने लाभ के लिए उपयोग कर रहा है और दूसरों के लिए खतरा पैदा कर रहा है। भारत के साथ लगी अपनी सीमा पर भी वह लंबे समय से इसी तरह की हरकत कर रहा है। चीन–भारत सीमा पर और दक्षिण चीन सागर को लेकर चीन के आक्रामक रवैये के संबंध में 'फॉक्स न्यूज' के साथ साक्षात्कार में एक सवाल पर पोम्पिओ ने कहा कि चीन की तरफ से पैदा किया जा रहा खतरा वास्तविक है।

उन्होंने कहा , 'इस दिशा में चीनी कम्यूनिस्ट पार्टी लंबे समय से प्रयास कर रही है। निश्चित तौर पर जमीन पर उनको रणनीतिक स्थिति का फायदा होता है। लेकिन, आप किसी भी समस्या को चिन्हित करें तो लंबे समय से उस दिशा में वे काम कर रहे हैं।' पोम्पिओ ने कहा कि खतरा देखें तो भारत के साथ लगी सीमा पर जो हो रहा है उसके लिए वे लंबे समय से प्रयास कर रहे हैं। चीनी कम्यूनिस्ट पार्टी की ओर से सेना को आगे करने के संबंध में उन्होंने कहा कि खतरा वास्तविक है ।

शी चिनफिंग सेना की क्षमता बढ़ाने को लेकर प्रतिबद्धः पोम्पिओ ने कहा, 'चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग अपनी सेना की क्षमता बढ़ाने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। हमारा रक्षा विभाग भी मानता है कि यह खतरा वास्तविक है। 'चीन के राष्ट्रपति चिनफिंग सेना के प्रमुख भी हैं। पोम्पिओ ने कहा, 'मैं आश्वस्त हूं कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में हमारा रक्षा विभाग, हमारी सेना, राष्ट्रीय सुरक्षा के हमारे प्रतिष्ठान हमें उस स्थिति में बनाए रखेंगे जहां हम अमेरिकी लोगों की रक्षा कर सकते हैं।

न्यूज डायरी

अपने घर में किसी बाहरी के साथ सेक्स इंग्लैंड में गैरकानूनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। इंग्लैंड में अपने घर में किसी बाहरी इंसान के साथ सेक्स करना गैरकानूनी हो गया है। सरकार ने लॉकडाउन के दौरान यह कानून बनाया है। इसके तहत अब दो अलग–अलग घरों के लोग प्राइवेट स्पेस में नहीं मिल सकेंगे। दरअसल इससे पहले के नियमों में 'प्राइवेट स्पेस' शब्द का इस्तेमाल नहीं किया गया था। सरकार ने यह भी कहा कि पुलिस ऐसे मामलों को डील करने में समझदारी और कॉमन सेंस दिखाएगी। नए नियम के बाद अब कोई अपने घर में किसी बाहरी से तभी मिल सकता है जब उसके पास कोई उचित कारण होगा। पब्लिक प्लेस पर सेक्स अभी भी गैर–कानूनी है। हालांकि सरकार ने यह भी साफ किया कि नया कानून सेक्स पर किसी तरह का बैन नहीं लगाता है, लेकिन यह कहता है कि कोई भी व्यक्ति घर के अंदर दो या दो से ज्यादा लोगों के साथ इकट्ठा नहीं हो सकता।

जिम्बाब्वे ने व्हाइट हाउस सलाहकार की टिप्पणी पर अमेरिकी दूत को तलब किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) हरारे। जिम्बाब्वे ने व्हाइट हाउस के एक अधिकारी का जिम्बाब्वे को "विदेशी शत्रु'' बताने संबंधी टिप्पणी को लेकर हरारे में अमेरिका के राजदूत को एक बैठक के लिए तलब किया है। व्हाइट हाउस के अधिकारी ने कहा था कि जिम्बाब्वे उन "विदेशी शत्रुओं" में से एक है जिसे जॉर्ज फ्लॉयड की मौत को लेकर अमेरिका में अशांति भड़काने की कोशिश के लिए जवाबी कार्रवाई का सामना करना होगा। जिम्बाब्वे में अमेरिका के राजदूत, ब्रायन निकोलस ने अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट ओब्रायन की रविवार को टिप्पणी को लेकर जिम्बाब्वे के विदेश मंत्री से मुलाकात की थी। एबीसी के "दिस वीक" कार्यक्रम पर एक साक्षात्कार में, ओब्रायन ने बिना किसी साक्ष्य के हवाले देते हुए कहा कि जिम्बाब्वे चीन और रूस समेत उन "विदेशी शत्रुओं" में से एक है जो अमेरिका में हो रहे प्रदर्शनों का लाभ उठा रहे हैं ताकि "विरोध पैदा किया जा सके और हमारे लोकतंत्र को क्षतिग्रस्त किया जा सके।''

इटली के डॉक्टरों का दावा, पहले से कमजोर हो चुका है वायरस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रोम। यूरोप में कोरोना वायरस ने सबसे पहले इटली को अपना शिकार बनाया था। यहां कुल 2,32,997 केस पाए गए हैं और 33,415 मौत हो गई। बुजुर्गों की बड़ी आबादी होने की वजह से इटली में कोरोना के शुरुआती दौर में हर दिन बड़ी संख्या में मरने वालों की संख्या में इजाफा हो रहा था क्योंकि कोरोना ज्यादा उम्र के लोगों को आसानी से शिकार बना रहा था। हालांकि, इटली के एक सीनियर डॉक्टर का मानना है कि अब वायरस कमजोर हो चुका है और इसके इन्फेक्शन से मौत की संभावना कम होने लगी है। दूसरी ओर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस दावे को खारिज किया है। इटली में सबसे खराब हालत लॉम्बार्डी की रही। यहां मिलान के सैन रफायल हॉस्पिटल के हेड अल्बर्टो जंगरीलो का कहना है कि क्लिनिकली वायरस अब इटली में नहीं है। पिछले 10 दिन में किए गए टेस्ट में मिला वायरस एक–दो महीने पहले की तुलना में बेहद कम हो चुका है।

कांगो में इबोला वायरस के कहर से 4 लोगों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) किंशासा। कोरोना वायरस के कहर से जूझ रही दुनिया के लिए अफ्रीका से एक और बुरी खबर आ रही है। डेमोक्रैटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में इबोला वायरस तेजी से फैल रहा। इबोला से 4 लोगों की मौत हो गई है। कांगो के पूर्वी इलाके में पहले से ही इबोला फैला हुआ था, अब यह पश्चिमी शहर मबान्डाका में भी वायरस पहुंच गया है। दोनों शहरों के बीच करीब 620 मील की दूरी है।
कांगो के स्वास्थ्य मंत्री इतेनी लोंगोंडो ने बताया कि पश्चिमी कांगो में इबोला का प्रकोप शुरू हुआ है। उन्होंने कहा, इबोला से 4 लोगों की मौत हो गई है और 4 संदिग्ध मामले सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि चारों लोगों की जांच में इबोला का वायरस पाया गया है। लोंगोंडो ने कहा, मबान्डाका में इबोला के नए मामले सामने आए हैं। हम बहुत जल्द ही वहां पर वैक्सीन और दवाएं भेजने जा रहे हैं।

यूएनएससी में अस्थायी सीट पर भारत का कब्जा तय

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की पांच अस्थायी सीटों के लिए चुनाव 17 जून को कराए जाएंगे। सोमवार को जारी सुरक्षा परिषद के इस महीने के अनौपचारिक अंतरिम कार्यक्रम के अनुसार सुरक्षा परिषद के चुनाव 17 जून को कराए जाएंगे। फ्रांस ने इसी दिन 15 देशों की इस परिषद की अध्यक्षता संभाली थी। एशिया प्रशांत क्षेत्र में 2021–22 के कार्यकाल के लिए भारत इस अस्थायी सीट के लिए उम्मीदवार है और उसकी जीत तय है क्योंकि इस क्षेत्र से भारत एकमात्र दावेदार है।

चीन और पाकिस्तान ने दिया पाक और चीन का भी साथ

भारत को समर्थनः भारत की उम्मीदवारी को चीन और पाकिस्तान समेत 55 देशों के एशिया–प्रशांत समूह ने पिछले साल जून में सर्वसम्मति से समर्थन दिया था। महासभा ने पिछले हफ्ते कोरोना महामारी के कारण प्रतिबंधों को ध्यान में रखते हुए नई मतदान व्यवस्था के तहत सुरक्षा परिषद चुनाव कराने का निर्णय लिया था। मतदान के तौर तरीकों में किसी प्रकार का बदलाव भारत की संभावनाओं को बहुत प्रभावित नहीं करेगा क्योंकि एशिया प्रशांत क्षेत्र से वह एकमात्र उम्मीदवार है और इसका कार्यकाल जनवरी 2021 से शुरू होगा।

चीन ने अब भारत को बीआरआई का दिया लालच

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर हजारों सैनिकों को तैनात करने के बाद भी अपने मंसूबों में कामयाब न होता देख चीनी ड्रैगन ने एक बार फिर से भारत को बेल्ट ऐंड रोड इनिशिएटिव का लालच दिया है। चीन के सरकारी समाचार पत्र ग्लोबल टाइम्स ने कहा कि बीआरआई भारत के लिए आर्थिक विकास के अवसरों के दरवाजे खोल सकती है। पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित–बालटिस्तान से होकर गुजरने वाले बीआरआई का भारत पुरजोर विरोध करता रहा है। बीआरआई का उद्देश्य देशों और क्षेत्र का साझा विकास है।

ह्यूस्टन पुलिस चीफ का बड़ा बयान अपना मुंह बंद रखें डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ह्यूस्टन। अमेरिका के मिनियापोलिस में निहत्थे अश्वेत नागरिक जॉर्ज फ्लॉयड की निर्मम हत्थ्या के बाद देशभर में हिंसा का दौर जारी है। हालात इतने खराब हो गए हैं कि अमेरिकी राष्ध्ट्रपति डोनाल्ध्ड ट्रंप को सेना तैनात करनी पड़ी है। ट्रंप ने कहा कि हिंसा से निपटने में राज्यों के गवर्नर अपनी कमजोरी दिखा रहे हैं। ट्रंप के इस बयान के बाद ह्यूस्ध्टन के पुलिस प्रमुख आर्ट एक्ध्वेडो ने उन्हें अपना मुंह बंद रखने की सलाह दी है।

ह्यूस्टर के पुलिस प्रमुख ने कहा, श्मैं देश के पुलिस चीफ की ओर से अमेरिका के राष्ध्ट्रपति को बस इतना कहना चाहूंगा कि

फ्लॉयड की निर्मम हत्या के बाद अमेरिका में हिंसा का दौर जारी

अगर आपके आपके पास कुछ रचनात्ध्मक नहीं है, कहने के लिए तो कृपया अपना मुंह बंद रखिए। इससे पहले एक जून को राज्यों गवर्नर के साथ कॉन्फ्रेंस कॉल में डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें सलाह दी थी कि वे प्रदर्शनकारियों पर अपना प्रभुत्व स्ध्थापित करें। उन्होंने कहा, अगर आप अपना प्रभुत्व स्थापित नहीं करेंगे तो आप अपना समय बर्बाद कर रहे हैं।

हिंसा, लूट और अव्यवस्था को बर्दाश्त नहीं किया जाएगाः इस बीच हत्या पर राष्ट्रव्यापी प्रदर्शनों के बीच ट्रंप के कार्यालय वाइट हाउस ने कहा है कि हिंसा, लूट, अराजकता और अव्यवस्था को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वाइट हाउस की प्रेस सचिव कैली मैकनैनी ने कहा, राष्ट्रपति ने साफ कर दिया है कि हम अमेरिका की सड़कों पर जो देख रहे हैं, वह अस्वीकार्य है। हिंसा, लूट, अराजकता, अव्यवस्था को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने अश्वेत व्यक्ति जॉर्ज फ्लॉयड की हिरासत में मौत के बाद से हो रहे प्रदर्शनों में दंगों और लूट का संदर्भ देते हुए कहा, साधारण और साफ बात है। ये आपराधिक कृत्य प्रदर्शन नहीं हैं, ये अभिव्यक्ति नहीं हैं, ये अपराध हैं जो बेकसूर अमेरिकी नागरिकों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। फ्लॉयड की मौत के खिलाफ हिंसक प्रदर्शनों की आग अमेरिका की 140 शहरों तक पहुंच गई है,

सुरंग बनाकर शराब की दुकान में घुसे चोर, 13 लाख की शराब लेकर फरार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना वायरस से निपटने के लिए लगे 66 दिन के लॉकडाउन के खत्म होने से ठीक एक दिन पहले जोहानिसबर्ग शहर में कुछ चोर सुरंग बना कर एक शराब की दुकान में घुस गए। इन चोरों ने वहां से शराब की चोरी कर ली। चोर वहां से 3,00,000 रैंड की शराब लेकर फरार हो गए। शराब की दुकान के मालिक ने सोमवार सुबह दुकान खुलने के बाद यह शराब बेचने के लिए रखी थी। देश में मार्च से लगे कड़े लॉकडाउन के कारण शराब की बिक्री प्रतिबंधित है।

दुकान के मालिक ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज से चोरों की पहचान हो गई है। वे 10 दिन पहले भी दुकान पर आए थे। उनतक पहुंचने के संबंध में कोई भी जानकारी देने के लिए 50,000 रैंड का इनाम रखा गया है। दक्षिण अफ्रीका में शराब की दुकानों पर बढ़ रही चोरियों की वारदातों की वजह से इन दुकान मालिकों ने सुरक्षा गार्ड तैनात किए हैं। लॉकडाउन प्रतिबंधों के कारण लोगों को शराब नहीं मिल पा रही है, इसलिए इसे चोरी करके काला बाजार में 10 गुना दाम पर बेचा जा रहा है।